हरिभूमि

सिरसा-फतेहाबाद भूमि

रोहतक, गुरुवार 26 फरवरी 2026

श्रमिकों की मांगों को लेकर भारतीय मजदूर संघ ने किया प्रदर्शन 11

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड परीक्षाएं शुरू, जिले में बनाए 64 केंद्र... 12

खबर संक्षेप

नाबालिग की शादी, तीन के खिलाफ केस दर्ज

फतेहाबाद। शहर की हंस कालोनी में नाबालिग लड़की की शादी कराने के मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। यह कार्रवाई शहर की हंस कॉलोनी में हुई शिकायत के बाद बाल विवाह निषेध एक्ट के तहत की गई है। प्रोटेक्शन एंड चाइल्ड मैरिज प्रोहिबिशन ऑफिसर रेखा अग्रवाल की शिकायत पर सिटी थाना फतेहाबाद में विवाह निषेध एक्ट में केस दर्ज किया गया है।

फतेहाबाद में हेरोइन सहित दो युवक काबू

फतेहाबाद। थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने शहर में गश्त के दौरान दो युवकों को हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्रा ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा नाका भूना रोड, हुडा मिनी बाईपास पर वाहनों की नियमित चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान एक युवक मोटरसाइकिल पर आता दिखाई दिया, जो पुलिस वाहन को देखकर अचानक पीछे मुड़ने का प्रयास करने लगा और संतुलन बिगड़ने से फिसलकर गिर गया।

साइबर फ्रॉड : खाते से निकले 1.46 लाख रुपये

फतेहाबाद। जिले के शहर टोहाना का रहने वाला एक युवक साइबर फ्रॉड का शिकार हो गया। अज्ञात ठगों ने उसके बैंक खातों से 1.46 लाख रुपये निकाल लिए। युवक को जब अपने साथ हुए फ्रॉड का पता चला तो उसने इस बारे ऑनलाइन शिकायत दर्ज करवाई, जिसके बाद अब साइबर थाना फतेहाबाद पुलिस ने केस दर्ज किया है।

तलाशी अभियान में महिला शराब सहित काबू

फतेहाबाद। रतिया पुलिस टीम ने बुधवार को डॉग स्क्वॉड व कमांडो विंग के साथ मिलकर क्षेत्र में व्यापक सर्चिंग एवं तलाशी अभियान चलाया। थाना शहर रतिया प्रभारी महिला निरीक्षक पुष्पा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने संवेदनशील क्षेत्रों व संदिग्ध स्थानों पर गहन जांच की। इसी दौरान गांव रत्ता खेड़ा में एक संदिग्ध मकान की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान मकान से करीब 50 लीटर लाहन तथा 15 बोतल नाजायज शराब बरामद की गई।

हेरोइन तस्करी मामले में सप्लायर महिला काबू

फतेहाबाद। थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने हेरोइन तस्करी के मामले में मुख्य सप्लायर महिला को काबू किया है। इससे पूर्व इसी मामले में एक आरोपी को पहले ही काबू किया जा चुका है। थाना प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि 5 नवंबर 2025 को पुलिस टीम द्वारा हांसपुर नाका क्षेत्र में नाकाबंदी की गई थी। नाकाबंदी के दौरान संदेह के आधार पर बिना नंबर मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति को काबू किया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम संजीव कुमार उर्फ सिब्बू पुत्र बिंद्रपाल निवासी सरदूलगढ़ बताया।

लाखों रुपये की हेरोइन पकड़ी, चार तस्कर काबू

डबवाली। पुलिस ने डबवाली क्षेत्र क्षेत्र से चार नशा तस्करों को गिरफ्तार उनके कब्जे से लाखों रुपये की हेरोइन बरामद की है। पुलिस प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि पकड़े गए तस्करों की पहचान हरजोत सिंह, रोहित, खुशदीप सिंह व सुखपाल सिंह के रूप में की गई। आरोपियों के कब्जे से करीब 21 ग्राम हेरोइन पकड़ी है। एएनसी स्टाफ डबवाली पुलिस टीम गश्त के दौरान गांव जलालआना क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान एक युवक पैदल आता दिखाई दिया जो कि पुलिस टीम को देखकर वापस मुडक़र भागने लगा। पुलिस ने शक के आधार पर उसे काबू कर लिया और तलाशी ली।

पारा 35 डिग्री के पार होते ही फसल को खतरा

तापमान 30 डिग्री से नीचे रहता है तो गेहूं उत्पादक किसानों को घबराने की जरूरत नहीं

सुरेन्द्र असीजा ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद। खेतों में खड़ी गेहूं की फसल। *फोटो : हरिभूमि*

जिले में फरवरी के अंतिम सप्ताह में मौसम का मिजाज बदलने लगा है। बुधवार को दिन में तेज धूप के कारण तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को अधिकतम तापमान करीब 29 से 30 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 13 से 14 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया। सुबह और शाम के समय हल्की ठंडक महसूस हुई, लेकिन दोपहर में गर्मी का असर बढ़ गया। रात और दिन दोनों समय पारा डबल डिजिट में पहुंच रहा है. जबकि आम तौर पर यहां मार्च की शुरुआत तक हल्की ठंड बनी रहती है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिनों में तापमान में धीरे-धीरे और बढ़ोतरी होने की संभावना है। 28 फरवरी के बाद और मार्च की शुरुआत में दिन का तापमान और अधिक बढ़ सकता है। इसके चलते दिन में गर्मी बढ़ेगी, जबकि सुबह-शाम हल्की ठंड बनी रह सकती है। बदलते मौसम को देखते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को दिन में धूप से बचाव और पर्याप्त पानी पीने की सलाह दी है।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के गेहूं एवं जौं अनुभाग ने किसानों को सलाह दी है कि दिन का तापमान 30 से 32 डिग्री और रात का तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहता है तो किसानों को घबराने की जरूरत नहीं है। एचएयू ने किसानों को गेहूं की फसल में सिंचाई करने की सलाह दी है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के गेहूं एवं जौं अनुभाग ने प्रदेश के कृषि उपनिदेशकों को कहा है कि दिन का तापमान 30 डिग्री व रात का तापमान 15 डिग्री से नीचे रहता है तो किसानों को घबराने की जरूरत नहीं है। रात व दिन का तापमान मिलाकर औसत 22 डिग्री सेल्सियस गेहूं की पैदावार के लिए सबसे उत्तम माना जाता है। औसत तापमान 24 डिग्री सेल्सियस तक को फसल सहन कर सकती है, परंतु दिन का तापमान 35 डिग्री से ऊपर होने पर गेहूं के बनने वाले दानों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। फतेहाबाद के कृषि उपनिदेशक डॉ. राजेश सिहाग ने बताया कि बढ़े हुए उच्च तापमान से बचने के लिए किसानों को आवश्यकता अनुसार हल्की सिंचाई करनी चाहिए। जब तेज हवा चल रही हो तो किसान सिंचाई को तुरंत रोक दें, अन्यथा फसल गिरने से नुकसान हो सकता है। किसानों को सलाह दी गई है कि जिन किसानों के पास फव्वारा सिंचाई की सुविधा है, वह दोपहर को तापमान वृद्धि के समय आधा घंटा फव्वारे से सिंचाई कर सकते हैं।

गेहूं को बढ़ते तापमान से बचाव के लिए पोटाशियम क्लोराइड का छिड़काव करें

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के गेहूं एवं जौं अनुभाग ने किसानों को कहा है कि गेहूं में बालियां निकलते समय या अगेती गेहूं जिनकी बालियां निकली हुई हैं, तो भी 0.2 प्रतिशत पोटाशियम क्लोराइड यानि 400 ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश (पोटाश खाद) 200 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ छिड़काव करने से तापमान में अचानक हुई वृद्धि से होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। पछेती बीजी गई गेहूं में पोटाशियम क्लोराइड का छिड़काव 15 दिन के अंतराल में दो बार करें।

28 फरवरी के बाद और बढ़ेगा तापमान

प्रदेश में पिछले 3-4 दिनों से मौसम खुश्क बना हुआ है। दिन के तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। प्रदेश में कई जगह हलकी व मध्यम धुंध भी देखी गई है। प्रदेश में दिन का तापमान 26 से 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है वहीं रात्रि तापमान 9 से 14 डिग्री सेल्सियस चल रहा है जोकि सामान्य से अधिक है। अगले 4-5 दिनों तक यानि 28 फरवरी तक मौसम आमतौर पर खुश्क रहेगा। 28 फरवरी को आंशिक बादलवाई छाई रह सकती है। इसके बाद दिन के तापमान में एक से दो डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है। उत्तर व उत्तर पश्चिमी हवाएं चलने से रात्रि तापमान में एक से दो डिग्री की गिरावट आएगी।

-डॉ. मदन खीचड़, विभागाध्यक्ष मौसम विज्ञान विभाग, एचएयू हिसार

फतेहाबाद। अफीम सहित पकड़े गए झारखंड के दोनों युवक।

शरीर व जूतों में छिपाकर लाया जा रहा था नशा

2 किलो 803 ग्राम अफीम सहित दो तस्कर दबोचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

- झारखंड से सप्लाई करने आए थे आरोपी

जिले में चल रहे नशा मुक्त अभियान के तहत फतेहाबाद पुलिस को सफलता हाथ लगी है। सीआईए टोहाना की टीम ने झारखंड से अफीम सप्लाई करने आए दो तस्करों को काबू कर उनके कब्जे से 2 किलो 803 ग्राम अफीम बरामद की है, जिसकी बाजार कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। सीआईए टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि पिछले कई दिनों से पुलिस को सूचना मिल रही थी कि बाहरी राज्यों से कुछ तस्कर शहर में नशे की खेप सप्लाई करने की फिराक में हैं। इन सूचनाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने गुप्त रूप से निगरानी शुरू कर दी। इसके बाद सीआईए की टीम द्वारा सहायक उपनिरीक्षक सुरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में बाइपास नहर पुल, टोहाना पर नाकाबंदी की गई। कुछ ही समय बाद नए बस अड्डे की तरफ से दो युवक पैदल आते दिखाई दिए। पुलिस टीम को देखकर दोनों युवक घबराकर भागने लगे, लेकिन पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए दोनों युवकों को काबू कर लिया। शक के आधार पर दोनों युवकों की तलाशी लेने पर चौंकाने वाला खुलासा हुआ। दोनों तस्करों ने अफीम को अपने पैरों में पहने नी-कैप के अंदर धागों से कसकर लपेट रखा था। इतना ही नहीं, उन्होंने अपने जूतों के भीतर भी अफीम छिपा रखी थी ताकि पुलिस की नजरों से बच सकें।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया

चंडीगढ़ में प्रस्तावित प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

सिरसा। पुलिस चौकी के बाहर रोष जताते कांग्रेस कार्यकर्ता। *फोटो : हरिभूमि*

चंडीगढ़ में प्रस्तावित प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने बुधवार को हिरासत में ले लिया। पुलिस की इस कार्रवाई के विरोध में पार्टी कार्यकर्ताओं ने सिरसा की कीर्ति नगर पुलिस चौकी के बाहर प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेता राज कुमार शर्मा, वीरभान मेहता, संदीप नेहरा व सुभाष जोधपुरिया कार्यकर्ताओं के साथ सुबह चंडीगढ़ के लिए जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक लिया और पुलिस चौकी ले गई। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि प्रदर्शन में भाग लेना उनका लोकतांत्रिक अधिकार है और वे किसी भी तरह का गैर कानूनी काम नहीं कर रहे। मगर पुलिस ने उनकी एक भी बात नहीं सुनी। पुलिस उन्हें हिरासत में लेकर कीर्ति नगर पुलिस चौकी ले गई। कांग्रेस नेताओं को हिरासत में लिए जाने की सूचना जैसे ही पार्टी कार्यकर्ताओं को मिली तो उनमें रोष फैल गया और कीर्तिनगर पुलिस चौकी के बाहर हल्ला बोल दिया। कार्यकर्ताओं ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। दो घंटे तक हिरासत में रखने के बाद पुलिस ने कांग्रेस नेताओं को छोड़ दिया। कांग्रेस नेता राजकुमार शर्मा ने कहा कि पार्टी की ओर से यह प्रदर्शन महंगाई, बेरोजगारी और अन्य जनहित मुद्दों को लेकर बुलाया गया था।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर राजेश शर्मा, प्रदीप सैनी, तिलक चंदेल, राजकुमार चंढा, सुनील बोमरा, बृजलाल घोड़ेला, श्याम लाल वर्मा, चंद्रशेखर सोनी, प्रेम कच्छावा, मनफूल शर्मा, रामानंद सरपंच, देवेंद्र सिंह पूर्व पार्षद, विजय शर्मा, पवन नाहर, लक्ष्मीकांत, लीलू राम पूर्व सरपंच, साहब राम जांगड़ा, जगदीश भाटी, रण सिंह, रुपिंदर भाटिया, मिया खान प्रभु राम नेजडेला हरबंस बेग, जगदीश भाटिया, रमेश सिद्धू, बंटी प्रधान, वेद प्रकाश सैनी अजय शर्मा चंद्रपाल सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

फतेहाबाद के लोगों की तरफ साढ़े 12 करोड़ रुपये बकाया

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग सख्त, काटे जा रहे अवैध कनेक्शन

सर्विस स्टेशन संचालकों में भी हड़कंप का माहौल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

बकाया बिलों की रिकवरी को शहर में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग एक्शन मोड में आ चुका है। हिसार रोड रोड पर बने सर्विस स्टेशनों पर पीने के पानी के अवैध कनेक्शन काटे जा रहे हैं। विभाग की इस कार्रवाई से सर्विस स्टेशन संचालकों में भी हडकंप का माहौल है।

जनस्वास्थ्य विभाग के उपमंडल अभियंता सतपाल रोज व जिला सलाहकार शर्मा चंद लाली ने बताया कि जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग का लोगों की तरफ साढ़े 12 करोड़ रुपये बिल बकाया है जिसके चलते यह सख्त रुख अपनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिनके भी बिल बकाया है वह जल्दी से जल्दी बिल भरे। अवैध कनेक्शन करने वालों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कटे हुए कनेक्शन को दोबारा से जोड़ा गया तो उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। जिला सलाहकार शर्मा चंद लाली ने बताया कि आज फतेहाबाद के हिसार रोड पर बने सर्विस स्टेशनों पर चल रहे पीने के पानी के अवैध कनेक्शन को काटे जा रहे है और पूरे शहर में यह अभियान चलाया जाएगा। लाली ने बताया कि यह अभियान अब पूरे जिला फतेहाबाद में चलाया जाएगा उन्होंने लोगों को चेतावनी देते हुए कहा कि जिसने भी अवैध कनेक्शन किए हुए हैं वह जल्दी से जल्दी अपने कनेक्शन को बंद कर ले अन्यथा विभाग द्वारा उनके कनेक्शन को बंद किया जाएगा।

मिड-डे-मील की गुणवत्ता पर सवाल, भिगाते ही राजमा का रंग उतरा

टोहाना। मिड-डे-मील में राशन की गुणवत्ता को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। स्कूलों में खराब गुड़ भेजने का मामला अभी ठंड नहीं पड़ा था कि अब स्कूलों में बच्चों के लिए बनाए जा रहे मिड-डे मील में खराब राजमा आने का मामला सामने आया है। पूर्व मंत्री देवेन्द्र बबली के गांव बिढ़ाईखेड़ा के राजकीय प्राथमिक पाठशाला में राजमा का रंग उतरने के बाद मिड-डे मील इंचार्ज टीचर पूनम ने इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर कार्रवाई की मांग की है। खराब राशन आने की सूचना के बाद बच्चों के अभिभावकों में भी काफी रोष है। टीचर पूनम ने बताया कि राजमा की सब्जी बनाने के लिए उन्हें भिगोया गया था, लेकिन उनका रंग पूरी तरह से उतर गया, जिससे वे खराब हो गए। उन्होंने आरोप लगाया कि खराब मिड-डे मील की शिकायतें लगातार प्रशासन और अधिकारियों को की जा रही हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। बता दें कि हरियाणा सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों में भेजे जा रहे मिड-डे मील राशन की गुणवत्ता पिछले करीब एक महीने से लगातार विवादों में रही है। यह ताजा मामला भाजपा नेता और पूर्व पंचायत एवं विकास मंत्री देवेंद्र बबली के पैतृक गांव बिढाईखेड़ा का है। स्कूल अध्यापक संघ की राज्य सचिव पूनम कुमारी के अनुसार, 30 जनवरी को खराब मिड-डे मील को लेकर खंड शिक्षा अधिकारी जगदीश शेवडा को शिकायत दी गई थी। स्कूल प्रिंसिपल शमशेर सिंह ने बताया कि वे छुट्टी पर हैं, लेकिन उन्हें मिड-डे मील इंचार्ज द्वारा खराब राजमा की जानकारी मिली है, जिसकी शिकायत बीईओ को दी जाएगी। वहीं इस मामले की जानकारी मिलने पर स्कूल में पढने वाले बच्चों के अभिभावकों में रोष है।

जमीन विवाद में दो पक्षों में झगड़ा, दर्जनों घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रतिया

उप मंडल के गांव बबनपुर में बुधवार को वक्फ बोर्ड की जमीन की पैमाइश करने के दौरान गांव में दो पक्षों में विवाद उत्पन्न हो गया और एक दूसरे पर हमला कर दिया। इस हमले में दोनों पक्षों के एक दर्जन के करीब लोग घायल हो गए है। घायलों को रतिया के नागरिक अस्पताल में दाखिल कराया गया है। मामले की सूचना मिलने पर सदर थाना प्रभारी प्रहलाद सिंह मौके पर पहुंच गए और उन्होंने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार गांव बबनपुर में वक्फ बोर्ड की 28 कनाल 7 मरले जमीन है। इसमें से कुछ जमीन पर काफी लोगों ने कब्जा किया हुआ है। कुछ दिन पहले वक्फ बोर्ड की जमीन पर एक धार्मिक स्थान बनाने को लेकर ग्रामीणों में आपसी विवाद हो गया था। इस पर गांव के रिछपाल सिंह, दीपक व विजेंद्र सिंह ने जमीन की निशानदेही करवाने के लिए एसडीएम को एक ज्ञापन दिया था। इसके बाद बाद एसडीएम द्वारा जमीन की निशानदेही करवाने के निर्देश दिए गए थे। बताया गया है कि बुधवार को पृथ्वी सिंह कानूनगो, गुरमेज सिंह पटवारी जब अपनी टीम के साथ गांव में वक्फ बोर्ड की जमीन की निशानदेही करने के लिए पहुंचे तो वहां पर गांव के दो पक्षों में आपकी लड़ाई झगड़ा हो गया। इसमें एक पक्ष के दीपू, गुलाब, खुशी, बूटा व विजेंद्र सिंह घायल हो गए जबकि दूसरे पक्ष के मनप्रीत खान, जीत खान, मलकीत खान, गुरविंदर कौर, बलजीत कौर, अमनदीप कौर व रजनी घायल हो गए। दोनों पक्ष में जब झगड़ा हुआ तो गांव में तनाव का माहौल हो गया और ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी।

सिरसा के सुरेंद्र ने इंडोनेशिया में हासिल किया स्वर्ण पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

खास बातें

- सुरेंद्र की इस उपलब्धि से परिवार और क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई
- ग्रामीणों ने मिठाइयां बांटकर और पटाखे चलाकर जश्न मनाया

जिला के गांव शेरपुरा के खिलाड़ी सुरेंद्र कुमार ने विकलांगता को मात देते हुए इंडोनेशिया में आयोजित इंडोनेशिया अंतरराष्ट्रीय पैरा थ्रो बॉल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर न केवल अपने गांव बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है। यह प्रतियोगिता इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में आयोजित हुई, जिसमें विभिन्न देशों की टीमों ने भाग लिया। कड़े मुकाबलों के बीच भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए सुरेंद्र कुमार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। 23 फरवरी को आयोजित फाइनल मुकाबले में सुरेंद्र कुमार ने शानदार खेल दिखाते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि से परिवार और क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। जैसे ही गांव शेरपुरा में यह समाचार पहुंचा, ग्रामीणों ने मिठाइयां बांटकर और पटाखे चलाकर जश्न मनाया। जब सुरेंद्र कुमार अपने गांव लौटे तो उनका भव्य स्वागत किया गया। उनके साथ कोच धर्मवीर टाक भी मौजूद थे। सिरसा में प्रवेश के दौरान भावदीन टोल प्लाजा पर गांव के सरपंच मुकेश इंदौलिया सहित अनेक युवाओं ने बुके देकर उनका अभिनंदन किया। डीजे की धुनों पर युवा झूमते नजर आए और पूरे उत्साह के साथ काफिले को गांव तक लेकर आए।

चर्चा | जल शक्ति अभियान व जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

सेमग्रस्त गांवों में जल निकासी प्रबंधों की समीक्षा के लिए करेंगे फील्ड विजिट : डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद। जल जीवन मिशन बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीसी डॉ. विवेक भारती। *फोटो : हरिभूमि*

डीसी डॉ. विवेक भारती ने कहा कि पानी जैसे प्राकृतिक संसाधन को अगली पीढ़ी तक सुरक्षित पहुंचाने की जिम्मेदारी हम सबकी है। इनका अनावश्यक दोहन भविष्य के लिए गंभीर खतरा बन सकता है इसलिए जल संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास समय की आवश्यकता है। डीसी डॉ. विवेक भारती बुधवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में जल शक्ति अभियान, जल जीवन मिशन तथा सेमग्रस्त क्षेत्रों से संबंधित पहलुओं पर समीक्षा बैठक ले रहे थे। उन्होंने कहा कि पानी के बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है, फिर भी इसका अत्यधिक दोहन चिंताजनक है। सभी विभागों व नागरिकों को जल संरक्षण के हर संभव उपाय अपनाने होंगे।

डीसी ने नगरपालिका अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी बरसात के मौसम में भूना क्षेत्र में जलभराव की स्थिति नहीं होनी चाहिए। बैठक में सेमग्रस्त गांवों की स्थिति की समीक्षा करते हुए डीसी ने अल्पकालिक व दीर्घकालिक समाधान पर कार्य तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि विभाग के अधिकारी व वे स्वयं शीघ्र ही प्रभावित गांवों का दौरा कर सोलर पंप एवं जल निकासी प्रबंधन की व्यवस्था का निरीक्षण करेंगे।

ये दिए निर्देश

डीसी ने कहा कि सभी सरकारी भवनों व स्कूलों में वर्षा जल संरक्षण हेतु वाटर टैंक व सोखता गड्ढों का निर्माण शीघ्र पूरा किया जाए। छतों से पाइपलाइन के माध्यम से वर्षा जल संग्रहित कर स्टोरेज टैंक में रखा जाए तथा अतिरिक्त पानी को सोखता गड्ढों में प्रवाहित किया जाए, जिससे भूजल स्तर में सुधार हो सके। संग्रहित पानी का उपयोग बागवानी एवं सफाई कार्यों में किया जा सकता है। बैठक में एडीसी अनुराग ढालिया, सीईओ जिला परिषद सुरेश कुमार, डीडीपीओ अनूप सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

केमिकल कलर्स से जब हो स्किन प्रॉब्लम

मेरी उम्र 28 वर्ष है। पिछले साल होली में रंग-गुलाल खेलने के बाद मेरी स्किन पर दाने और रैशेज हो गए थे। कृपया कोई ऐसा उपाय बताएं, जिससे इस बार ऐसी प्रॉब्लम न हो।

-सौरभ, हिसार

बाजार में तरह-तरह के केमिकल वाले रंग भी मिलते हैं। कई बार लोग इनका इस्तेमाल करते हैं। इसलिए इनके इस्तेमाल से खुद भी बचें और दूसरों को भी जागरूक करें। साथ ही रंग खेलने से पहले पूरे शरीर पर नारियल का तेल या मॉयश्चराइजर लगा लें। नारियल तेल ज्यादा बेहतर रहेगा। साथ ही केवल हर्बल कलर का इस्तेमाल करें। एक ही बार मे रंग छुड़ाने की कोशिश ना करें। कई लोग एक ही बार में पूरा रंग छुड़ाने के लिए कई बार साबुन लगाते रहते हैं। ऐसा न करें। अगर थोड़ा हल्का भी हो जाए तो अगले दिन उतर जाएगा। इस तरह त्वचा को बचाया जा सकता है।

मेरी उम्र 23 वर्ष है। अभी से ही मेरे सिर के आधे से अधिक बाल सफेद हो गए हैं। कृपया बताएं कि इसकी क्या वजह है और इसे कैसे ठीक किया जा सकता है?

-विकास, दुर्ग

आजकल यंगस्टर्स में यह समस्या काफी देखी जा रही है। सबसे पहले आप बाजार में उपलब्ध तरह-तरह के शैंपू का बदल-बदल कर इस्तेमाल करना बंद करें। साथ ही एक बार त्वचा रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लें, वे आपको कुछ शैंपू और साबुन बताएंगे, उनका इस्तेमाल करें और जरूरत पड़ी तो कुछ जांच कराएंगे। बगैर जांच करवाए कोई उपचार नहीं बताया जा सकता है।

मेरी उम्र 45 वर्ष है। अकसर सुबह के समय मेरी आंखों के नीचे और चेहरे पर सूजन सी लगती है। कुछ देर बाद खुद ही नॉर्मल हो जाता है। यह किसी बीमारी का संकेत तो नहीं, कृपया बताएं।

-एक पाठक, ई-मेल से

आंखों के नीचे सूजन आना कई बार शुगर बढ़ने के लक्षण भी होते हैं। लेकिन बगैर जांच कराए कुछ भी कहना ठीक नहीं है। सबसे पहले आप डॉक्टर से संपर्क कर शुगर की जांच कराएं। अगर वह रिपोर्ट नॉर्मल निकलती है तो फिर डॉक्टर और भी जांच कराएंगे, जिससे कारण पता चलेगा और इलाज हो सकेगा।

मेरी उम्र 32 वर्ष है। मुझे दिन भर मीठा खाने की क्रेविंग होती रहती है। प्लीज बताएं इससे मुझे डायबिटीज तो नहीं हो जाएगी? अपनी इस हैबिट को छोड़ने के लिए क्या उपाय करूं?

-कल्पेश, रायपुर

कोई भी चीज लिमिट में खाना ठीक होता है, लेकिन जरूरत से ज्यादा खाना नुकसानदायक होगा। सबसे पहले आप दो चीजों पर गौर करें कि आपकी शुगर कितनी है और आप फिजिकल एक्टिविटीज कितनी करते हैं? क्योंकि अगर आपकी फिजिकल एक्टिविटीज कम हैं और शुगर कंट्रोल है तो भी आपको मीठा कम खाना चाहिए। मीठे में भी ऐसे आइटम खाएं, जिसमें शुगर कम हो। डीप फ्राई वाली चीजें बिल्कुल ना खाएं।

मेरी पिता की उम्र 74 वर्ष है। उनके गॉल ब्लैडर में स्टोन है। लेकिन डॉक्टर ऑपरेशन करने से मना कर रहे हैं। इससे उनको कोई प्रॉब्लम तो नहीं होगी? कृपया बताएं हमें क्या करना चाहिए?

-पंकज, बिलासपुर

देखिए, अगर डॉक्टर ही मना कर रहे हैं ऑपरेशन करने के लिए, तो कोई न कोई उसका कारण होगा। इसलिए आप रिस्क ना लें और डॉक्टर द्वारा बताई गयी सावधानी बरतते हुए ही ट्रीटमेंट कराएं।

मेरी उम्र 53 वर्ष है। मैं जब भी ट्रैफिक में होता हूं तो बहुत घबराहट महसूस होती है। इस वजह से घर से कम निकलता हूं। ऐसा क्यों होता है? प्लीज इसका कोई कारगर उपचार बताएं।

-अवधेश, कांकेर

सबसे पहले आप डॉक्टर से संपर्क कर अपनी सारी जांच कराएं, जिससे पता चल जाएगा कि यह किसी बीमारी के लक्षण तो नहीं हैं। अगर रिपोर्ट नॉर्मल है तो इसके बाद आप मनोचिकित्सक से संपर्क कर सकते हैं। कई लोगों को भीड़ से घबराहट होती है। वो इससे बचाव के उपाय बताएंगे। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडेय

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

हाल के वर्षों में अस्वास्थ्यकर जीवनशैली और गलत खान-पान के कारण वयस्कों से लेकर बच्चों में भी ओबेसिटी यानी मोटापे की समस्या बढ़ती जा रही है। असल में मोटापा कोई बीमारी नहीं है बल्कि यह एक ऐसी स्थिति है जो अनेक बीमारियों की आशंका बढ़ाती है। वर्ल्ड ओबेसिटी डे (4 मार्च) के अवसर पर आइए जानते हैं, मोटापे से संबंधित विभिन्न पहलुओं और इस पर नियंत्रण के बारे में।

गुड हेल्थ के लिए है जरूरी ओबेसिटी को कंट्रोल करना

हेल्थ एडवाइस

संध्या पांडेय
चीफ डाइटिशियन
मेदांता दि मेडिसिटी, गुरुग्राम

सारी दुनिया में ओबेसिटी एक बड़ी हेल्थ प्रॉब्लम के रूप में सामने आ रहा है। इसके प्रति अवेयर करने के लिए ही वर्ल्ड ओबेसिटी डे मनाया जाता है। इस बार इस दिवस की थीम है- 8 बिलियन रीजंस टू एक्ट ऑन ओबेसिटी। इस थीम का आशय है कि दुनिया की 8 अरब आबादी के लिए मोटापे के खिलाफ कार्रवाई करने के अनेक कारण हैं। हमें हर हाल में मोटापे के प्रति सचेत रहकर इसे नियंत्रित करना है।

कैसे तय होता है मोटापा

मोटापे के आकलन की सबसे प्रमुख विधि बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) है। कमर की माप से भी मोटापे का अंदाजा लगाया जा सकता है, लेकिन मान्य और प्रचलित विधि बीएमआई ही है। बीएमआई की गणना के लिए पहले किसी व्यक्ति के वजन को किलोग्राम में मापा जाता है और फिर उसे उसकी लंबाई (मीटर वर्ग) से विभाजित किया जाता है। सामान्य यानी स्वस्थ वजन वाले व्यक्ति का बीएमआई वैल्यू 23 से कम होना चाहिए। महिलाओं में कमर का घेरा 80 सेंटीमीटर से कम और पुरुषों में 90 सेंटीमीटर से कम होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को बीएमआई के संदर्भ में अपने डॉक्टर या फिर डाइटिशियन से परामर्श लेना बेहतर रहेगा।

हो सकती है ये समस्याएं

मोटापे से ग्रस्त लोगों में उच्च रक्त चाप (हाई ब्लड प्रेशर), हृदय की बीमारियां, डायबिटीज टाइप 2, स्ट्रोक, अर्थराइटिस, सोते समय खर्राटे भरना या स्लीप एप्निया जैसी समस्याओं के होने का जोखिम कहीं ज्यादा बढ़ जाता है। मोटापे से ग्रस्त गर्भवती महिलाओं में अत्यधिक वजन के बढ़ने से उनके गर्भस्थ शिशु को भी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसके अलावा जो लोग पहले से ही उपरोक्त बीमारियों से ग्रस्त हैं, उन्हें अपने वजन नियंत्रण पर डॉक्टर से परामर्श लेकर विशेष ध्यान देना चाहिए, तभी वे उपरोक्त समस्याओं को नियंत्रित कर सकते हैं। इसके अलावा जो नवयुवक या नवयुवतियां अत्यधिक मोटापे से ग्रस्त हैं, उनके अंदर कुछ मनोवैज्ञानिक समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। जैसे वे शारीरिक रूप से हीनता ग्रंथि के शिकार हो सकते हैं। उन्हें लोगों से मिलने-जुलने में अच्छा महसूस नहीं होता। यही नहीं, मोटापा और बांझपन (इनफर्टिलिटी) के बीच एक गहरा संबंध है। अधिक वजन और मोटापा महिलाओं और पुरुषों दोनों में प्रजनन क्षमता को प्रभावित कर सकता है।

ओबेसिटी के प्रमुख कारण

- जो लोग नियमित रूप से व्यायाम नहीं करते या कम शारीरिक श्रम करते हैं, उनके मोटे होने की संभावना बढ़ जाती है। मोटापे के अधिकांश मामलों में एक व्यक्ति जितनी कैलोरी बर्न करता है, उससे बहुत अधिक कैलोरी ग्रहण करता है। शरीर द्वारा इस्तेमाल न की जाने वाली कैलोरी वसा के रूप में संचित हो जाती है।
- लगभग हर दिन अत्यधिक चिकनाई युक्त आहार ग्रहण करना या फिर अकसर जंक फूड्स लेना कालांतर में मोटापे से ग्रस्त कर देता है। इसके अतिरिक्त जो लोग अपने खान-पान में फलों और सब्जियों को वरीयता नहीं देते हैं, वे भी मोटापे से ग्रस्त हो सकते हैं।
- अकसर तनावग्रस्त रहना कालांतर में मोटापे का कारण बन सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि तनाव से शरीर में हार्मोन असंतुलित हो जाते हैं। हार्मोंस के असंतुलन की स्थिति से भी मोटापा बढ़ सकता है।
- वंशानुगत कारण से भी मोटापा बढ़ सकता है। जैसे अगर मां-बाप अपने जीवन काल में मोटापे की समस्या से ग्रस्त हैं तो उनकी संतानों में भी मोटापा बढ़ने की आशंका काफी ज्यादा होती है।
- थायरॉइड ग्रंथि के विकार या असंतुलन से भी मोटापा बढ़ने की काफी आशंका रहती है।

कब लें डॉक्टर से परामर्श

जिन लोगों का वजन बीएमआई के मानकों से परे जाकर बढ़ता जा रहा है या जो लोग पहले से ही मोटापे से ग्रस्त हैं, उन्हें अपने डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। डॉक्टर आपको अपनी जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन करने और स्वास्थ्यकर खान-पान के संदर्भ में समुचित जानकारी देंगे। इस संदर्भ में डॉक्टर आपसे कुछ सवाल भी पूछ सकते हैं। जैसे आप डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर अन्य किसी रोग से पीड़ित तो नहीं हैं, फिलहाल आप क्या दवाएं ले रहे हैं, शराब या धूम्रपान के तलबगार तो नहीं हैं। आप कितनी देर तक व्यायाम या शारीरिक गतिविधियों में भाग लेते हैं? इसके अलावा डॉक्टर आपकी बीएमआई भी चेक कर सकते हैं और अगर आपको कोई बीमारी है तो उससे संबंधित जांच भी करवा सकते हैं। डॉक्टर आपको डाइटिशियन के पास भी रेफर कर सकते हैं और इस संदर्भ में व्यायाम या योगासन के लिए किसी विशेषज्ञ को भी रेफर कर सकते हैं। अत्यधिक मोटापाग्रस्त होने की स्थिति में वे आपको बैरियाट्रिक सर्जन से परामर्श लेने की भी राय भी दे सकते हैं।

मोटापे का सर्जिकल इलाज

बैरियाट्रिक सर्जरी एक प्रकार की सर्जरी है, जिसका उद्देश्य अत्यधिक मोटापे का इलाज करना है। यह सर्जरी विशेष रूप से उन व्यक्तियों के लिए होती है, जिनका बीएमआई 40 या उससे अधिक होता है, या जिनका बीएमआई 35-39.9 होता है और उन्हें मोटापे से संबंधित गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं, जैसे कि डायबिटीज, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप आदि। इसके अलावा यदि किसी व्यक्ति ने आहार और व्यायाम के माध्यम से वजन घटाने की कोशिश की है, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली, तो बैरियाट्रिक सर्जरी का विकल्प दिया जा सकता है।

मोटापा कम करने वाली दवाएं

इस संदर्भ में महत्वपूर्ण बात यह है कि मोटापा कम करने वाली दवाओं का सेवन अपने डॉक्टर से परामर्श लिए बगैर नहीं करना चाहिए। अत्यधिक मोटापा (मॉर्बिड ओबेसिटी) को नियंत्रण करने में दवाओं का एक सीमित योगदान है। ये दवाइयां डॉक्टर की निगरानी में ली जाती हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि इनके साइड इफेक्ट भी होते हैं।

इन बातों पर दें ध्यान

- डॉक्टर या डाइटिशियन से परामर्श लेकर अपनी शारीरिक स्थिति और मेडिकल कंडीशन के अनुसार खान-पान का एक चार्ट बनवा लें और फिर उस पर अमल करें।
- मोटे अनाज या मिलेट्स वजन को नियंत्रित करने में सहायक हैं।
- अत्यधिक चिकनाईयुक्त खाद्य पदार्थों से परहेज करें।
- नियमित रूप से व्यायाम करें, लेकिन इस संदर्भ में याद रखें कि प्रत्येक व्यक्ति की उम्र और उसकी मेडिकल कंडीशन के अनुसार ही व्यायाम और उसका समय निर्धारित किया जाता है। इसलिए इस संदर्भ में फिटनेस एक्सपर्ट से परामर्श जरूर लें।
- जीवन के प्रति सकारात्मक सोच रखें और तनाव को स्वयं पर हावी न होने दें। ऐसा इसलिए क्योंकि तनाव से भी मोटापा या वजन बढ़ सकता है। तनाव को नियंत्रित करने के लिए मेडिटेशन करें।
- खाना खाते समय टीवी या मोबाइल न देखें, इससे आप ओवरईटिंग से बचे रहेंगे, जो ओबेसिटी बढ़ाने का मुख्य कारण है।
- नमक, शुगर और प्रोसेस्ड फूड्स का कम से कम सेवन करें। *

प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला

प्रिकॉशन

यह सही है कि होली उल्लास-उमंग का पर्व है। लेकिन इसे मनाते हुए भी अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। खासतौर पर अस्थमा, हाई बीपी और डायबिटीज पेशेंट्स, अगर यहां बताए जा रहे सुझावों को अमल में लाएंगे तो उनकी तबियत नहीं बिगड़ेगी।

होली सेलिब्रेशन में बरतें सावधानी अस्थमा-बीपी-डायबिटीज पेशेंट्स

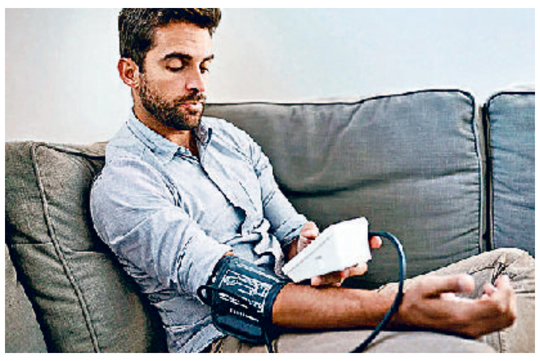

रंगों का त्योहार होली खुशियां और उमंग लेकर आता है, लेकिन अस्थमा, हाई ब्लड प्रेशर (बीपी) और डायबिटीज के मरीजों के लिए यह त्योहार और इन दिनों का मौसम कुछ अतिरिक्त सावधानियां बरतने की मांग करता है। हल्की सी लापरवाही उनके स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकती है, इसलिए त्योहार का आनंद लेते हुए स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना जरूरी है।

अस्थमा पेशेंट्स के लिए यूजफुल सजेशंस

श्वास संबंधी रोगी होली खेलते समय किन बातों का ध्यान रखें इस बारे में रीजेंसी हॉस्पिटल, गोरखपुर में कंसल्टेंट-पल्मनोलॉजी, **डॉ. आमिर नदीम** कहते हैं, 'होली पर उड़ने वाला गुलाल, धूल, धुआं और केमिकल युक्त रंग सांस के मरीजों के लिए गंभीर परेशानी पैदा कर सकते हैं। इन कणों के संपर्क में आने से सांस की नलियों में सूजन बढ़ सकती है और अस्थमा अटैक का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए अस्थमा मरीजों को कोशिश करनी चाहिए कि वे भीड़-भाड़ वाली जगहों और तेज धूल-धुएं से दूर रहें। होली खेलने के लिए केमिकल वाले गहरे रंगों की जगह फूलों से बने या हर्बल रंगों का इस्तेमाल ज्यादा सुरक्षित विकल्प है। घर से बाहर निकलते समय अच्छी क्वालिटी का मास्क जरूर पहनें, ताकि धूल और रंग सीधे श्वास नली में न जाएं। अपना रेस्क्यू इनहेलर और नियमित दवाएं हमेशा साथ रखें और दवा समय पर लेते रहें। जिन लोगों को परागकणों (पोलेन ग्रेंस) से एलर्जी है, वे खुले पार्क या बगीचों में खेलने से बचें। होली खेलने के बाद तुरंत स्नान कर लें और कपड़े बदल लें, ताकि त्वचा और बालों पर जमे कण सांस के जरिए अंदर न जाएं। अगर सांस फूलना, सीने में जकड़न, सीटी जैसी आवाज के साथ सांस आना या तेज खांसी की समस्या बढ़े तो इसे नजरअंदाज न करें और तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।'

बीपी पेशेंट्स बरतें ये सावधानियां

होली जैसे पर्व को सेलिब्रेट करते समय बीपी पेशेंट्स को भी सावधानी बरतनी चाहिए। इस बारे में अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली के सीनियर कंसल्टेंट-इंटरनल मेडिसिन, **डॉ. संचयन रॉय** सलाह देते हैं, 'होली के दौरान खान-पान और उत्साह बढ़ने से हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों की परेशानी बढ़ सकती है। ज्यादा नमकीन, तला-भुना और मसालेदार भोजन ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकता है, इसलिए हल्का और संतुलित आहार लें और नमक का सेवन सीमित रखें। तेज डीजे और अत्यधिक शोर भी तनाव बढ़ाकर बीपी पर असर डाल सकता है, इसलिए शांत माहौल में रहें। अपनी नियमित दवाएं समय पर लें और पर्याप्त पानी पिएं, क्योंकि डिहाइड्रेशन से भी बीपी असंतुलित हो सकता है। कोशिश करें कि पर्याप्त नींद लें और अत्यधिक थकान से बचें। दिन में एक बार बीपी मॉनिटर कर लेना भी फायदेमंद रहता है। अगर चक्कर, तेज सिरदर्द, घबराहट या धुंधला दिखने जैसे लक्षण महसूस हों तो तुरंत आराम करें और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से सलाह लें।'

डायबिटीज पेशेंट्स रखें इन बातों का ध्यान

होली के मौके पर डाइट में लापरवाही बरतने से डायबिटिक पेशेंट्स की तबियत बिगड़ सकती है। इससे बचाव के लिए श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टिट्यूट, दिल्ली के सीनियर कंसल्टेंट-एंडोक्राइनोलॉजी, **डॉ. साकेत कांत** सजेस्ट करते हैं, 'होली पर गुझिया, मिठाई और ठंडाई का काफी लोग सेवन करते हैं। लेकिन डायबिटीज मरीजों को मीठे का सेवन बहुत सीमित मात्रा में और सोच-समझकर करना चाहिए। कोशिश करें कि खाली पेट मीठा न खाएं और पहले सलाद, दाल या प्रोटीन युक्त हल्का भोजन लें, ताकि शुगर अचानक न बढ़े। दिन में नियमित रूप से ब्लड शुगर लेवल की जांच करते रहें और डॉक्टर द्वारा बताई गई दवा या इंसुलिन समय पर लें। ज्यादा देर धूप में रहने, भाग-दौड़ या अनियमित खान-पान से भी शुगर लेवल ऊपर-नीचे हो सकता है। इसलिए समय पर भोजन करें और लंबा गैप न रखें। शरीर को हाइड्रेट रखना भी जरूरी है, क्योंकि डिहाइड्रेशन से शुगर असंतुलित हो सकती है। पर्याप्त पानी, छाछ या बिना शक्कर वाले पेय ही लें। *

प्रस्तुतिः सेहत फीचर्स

इन बातों पर भी करें अमल

होली के दौरान कुछ सामान्य सावधानियां बरतना सभी के लिए जरूरी है, इससे आप हेल्थ प्रॉब्लम्स से बचे रहेंगे।

- हमेशा हर्बल और स्किन-फ्रेंडली रंगों का ही उपयोग करें।
- शरीर को डिहाइड्रेशन से बचाने के लिए पर्याप्त पानी और तरल पदार्थ लेते रहें।
- भीड़-भाड़, धूल और धुएं वाली जगहों से दूरी बनाए रखें तथा किसी भी असामान्य लक्षण जैसे सांस लेने में दिक्कत, चक्कर, घबराहट या शुगर लेवल में उतार-चढ़ाव को नजरअंदाज न करें।

अवेयरनेस

डॉ. माजिद अलीम

आमतौर पर हम लोग जिन रोगों के बारे में जानते हैं, उनके अलावा भी हजारों रोग ऐसे हैं, जिन्हें दुर्लभ माना जाता है। दुनिया भर में करोड़ों लोग इनसे ग्रसित हैं। इनके बारे में सभी को पता होना चाहिए।

दुर्लभ रोग सजगता के साथ संवेदनशीलता भी है जरूरी

हर साल 28 फरवरी को और लीप ईयर में 29 फरवरी को दुनिया भर में दुर्लभ रोग दिवस मनाया जाता है। यह तारीख साल की सबसे दुर्लभ तारीख का प्रतीक है ताकि ये याद दिलाया जा सके कि कुछ बीमारियां इतनी कम दिखती हैं कि वे समाज, चिकित्सा व्यवस्था और नीति निर्माताओं की नजर से भी ओझल रह जाती हैं। दरअसल, दुर्लभ रोग उन रोगों को कहते हैं, जो दुनिया के बहुत कम लोगों को होते हैं। लेकिन जिनका असर जीवन पर बेहद गहरा और अकसर आजीवन होता है। विडंबना यह है कि संख्या में कम होने के बावजूद दुर्लभ रोगों से पीड़ित लोगों की सामूहिक संख्या दुनिया भर में करोड़ों में है। शायद इसीलिए हर साल 28 या 29 फरवरी को यह महत्वपूर्ण दिवस मनाया जाता है ताकि लोग दुर्लभ कही जाने वाली बीमारियों को लेकर सजग रहें।

ऐसे होते हैं दुर्लभ रोगः भारत में आमतौर पर दुर्लभ रोग उन्हें माना जाता है, जो दस हजार में से किसी एक व्यक्ति को या उससे भी कम लोगों को होते हैं। लेकिन ये रोग भले कम लोगों को होते हों, मगर इन रोगों की कम संख्या नहीं है। अब तक दुनिया में 7 हजार से ज्यादा ऐसे रोग चिन्हित किए जा चुके हैं, जिन्हें दुर्लभ रोग कहा जा सकता है। जैसे- प्रोजेरिया, फेनकोनी एनीमिया आदि। इनमें से अधिकांश रोग आनुवांशिक या जेनेटिक होते हैं यानी ये जन्म से जुड़े होते हैं। इन रोगों की सबसे बड़ी समस्या यह है कि इनके लक्षण जो सामान्य बीमारियों जैसे ही दिखते हैं, लेकिन ये सामान्य बीमारियां नहीं होती हैं। यही कारण है कि इनके निदान में वर्षों लग जाते हैं और हां, इनका इलाज भी बहुत महंगा होता है या कोई इलाज ही नहीं उपलब्ध होता है।

पूरा जीवन होता है प्रभावितः दुर्लभ रोग किसी एक अंग या समस्या तक सीमित नहीं होते हैं। वे व्यक्ति की पूरी जीवन यात्रा को प्रभावित करते हैं। शिक्षा, रोजगार, विवाह, सामाजिक स्थिति और स्वीकार्यता जैसे सभी सामाजिक पहलुओं पर इस दुर्लभ रोग का बहुत जबर्दस्त प्रभाव पड़ता है।

स्वास्थ्य सजगता का महत्वः दुर्लभ रोग दिवस मनाने का सबसे बड़ा उद्देश्य, लोगों को इनके बारे में जागरूक करना है। डॉक्टरों में, समाज में और सरकारों में, दुर्लभ रोगों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना है। जागरूकता बढ़ने से सबसे बड़ा लाभ यह होता है कि डॉक्टर शुरुआती लक्षणों को गंभीरता से लेते हैं और इसके निदान में लगने वाले वर्षों को कम करके महीनों में बदल देते हैं। लेकिन ऐसा तब होता है, जब सरकारें दवाओं, रिसर्च और सहायता योजनाओं के बजट तय करती हैं और लोगों को इनकी दहशत से मुक्ति दिलाती हैं। यह दिवस बताता है कि स्वास्थ्य की गंभीर समस्याओं के लिए हेल्थ एक्सपर्ट्स चिंतित हैं और पीड़ित लोगों के साथ हैं। इसलिए दुर्लभ रोगों के संबंध में बीमार को समय रहते जानकारी मिलना जरूरी है कि वह आखिर किस रोग से पीड़ित है और क्या यह उसकी पिछली पीढ़ियों से चला आ रहा रोग है? अगर ऐसा होता है तो कोशिश की जाती है कि आने वाली पीढ़ियां इन विशेष रोगों से पीड़ित न हों।

अपने देश में भी है बड़ी चुनौतीः यूं तो पूरी दुनिया के लिए दुर्लभ रोग एक गंभीर समस्या हैं, लेकिन भारत के लिए भी यह विकट चुनौती हैं। अनुमान है कि देश में 7 से 9 करोड़ तक लोग किसी न किसी दुर्लभ रोग से पीड़ित हैं। विशेषकर ऐसे रोगों से पीड़ित लोगों के लिए सबसे बड़ी समस्या ग्रामीण क्षेत्र में होती है, जहां विशेषज्ञों की भारी कमी होती है और जांच सुविधाएं बहुत सीमित होती हैं। अधिकांश इलाज आम आदमी की सीमा से बाहर होता है यानी इलाज में खर्च आने वाला बजट आम आदमी के बस में नहीं होता। इसलिए हाल के वर्षों में सरकार ने राष्ट्रीय दुर्लभ रोग नीति बनाई है। लेकिन यह बात भी सही है कि इस दिशा में पर्याप्त कदम उठाने के लिए अभी काफी प्रयासों और संसाधनों की जरूरत है।

दुर्लभ रोगों में समाज की भूमिकाः दुर्लभ रोग दिवस हमें सोचने पर मजबूर करता है कि सभी तरह की बीमारियों से छुटकारा पाना केवल अस्पताल के जरिए संभव नहीं है। सामाजिक जागरूकता भी जरूरी है। *

खबर संक्षेप

भंडारे के लिए संघ का जत्था रवाना

सिरसा। श्री खाटू श्याम बाबा के पावन धाम की यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं की सेवा के लिए लंगर भंडारा एवं निःशुल्क चिकित्सा शिविर के लिए श्री श्याम बगीची से श्री खाटू नरेश भंडारा संघ की ओर से श्याम भक्तों का जत्था रवाना किया गया। नरेश बणीवाला ने बताया कि बुधवार से आगामी 28 फरवरी तक संघ द्वारा खाटू धाम में भंडारा व निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि भंडारे के लिए जत्थे के साथ 20 हलवाई व 40 सेवादारों को भी रवाना किया गया। इस मौके पर ओम सैनी, पवन नागोरी, बाबूलाल कांसल, डॉ. आरपी शर्मा, कर्णजीत, नरेंद्र सिंह भाऊ, शिव कुमार आदि रहे।

सेनेटरी दुकान में चोरी के मामले में युवक काबू

फतेहाबाद। रेलवे रोड स्थित सेनेटरी दुकान में चोरी के मामले में टोहाना पुलिस ने गिरोह के एक और सदस्य को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मुलाजिम अंसारी निवासी तिलक नगर, टोहाना के रूप में हुई है। इससे पूर्व इसी मामले में दो आरोपी पहले ही काबू किए जा चुके हैं। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि इस बारे पुलि ने शोभित जैन निवासी न्यू मॉडल टाउन, रेलवे रोड, टोहाना की शिकायत पर केस दर्ज किया था।

हकृवि में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी ऑडिटोरियम में 'डेसीफरिंग दी पोटेंशियल ऑफ क्लाइमेट रेजिलिएंट फंक्शनल क्रॉप फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड एग्रो-इंडस्ट्रीज (डीपीसीएफसी-एसएएआई-2026)' विषय पर स्पार्क परियोजना के अंतर्गत तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे जबकि हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान रांची के निदेशक डॉ. सुजय रक्षित मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहे। यह सम्मेलन शिक्षा मंत्रालय की 'स्पार्क' परियोजना के अंतर्गत मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूज़ीलैंड के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

सरकार के खिलाफ की नारेबाजी, डीसी को सौंपा ज्ञापन

श्रमिकों की मांगों को लेकर भारतीय मजदूर संघ ने लघु सचिवालय पर किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

भारतीय मजदूर संघ के देशव्यापी आह्वान पर आज फतेहाबाद में अपनी लंबित मांगों को लेकर जिला स्तरीय विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के बाद केंद्र व राज्य सरकार के नाम उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शन का मुख्य नेतृत्व जिला मंत्री अनिता बराला ने किया। उनके साथ भारी संख्या में संघ के सदस्य और विभिन्न ट्रेड यूनियनों से जुड़े कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार विरोधी नारेबाजी की और चेतावनी दी कि यदि इन मांगों पर जल्द संज्ञान नहीं लिया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन को देखते हुए लघु सचिवालय पर पुलिस की तैनाती की गई थी। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए जिला मंत्री अनिता बराला ने बताया कि भारतीय मजदूर संघ का 21वां अखिल भारतीय त्रिवार्षिक अधिवेशन 6-8 फरवरी को पुरी, ओडिशा में संपन्न हुआ था। इस सम्मेलन में श्रमिकों से सम्बंधित ज्वलंत मुद्दों पर गहराई से चर्चा की गई और प्रस्ताव पारित किया गया।

फतेहाबाद। लघु सचिवालय पर प्रदर्शन करते भारतीय मजदूर संघ के सदस्य।

मजदूरों की प्रमुख मांगें

इस अधिवेशन से पहले भारतीय मजदूर संघ के प्रतिनिधिमंडल ने श्रम तथा रोजगारी मंत्री से भी मुलाकात की थी। उस समय मंत्री ने भरोसा दिलाया था कि इन मुद्दों की जांच कर इनका शीघ्र समाधान किया जाएगा। आज सौंपे गए ज्ञापन में मांग की गई है कि श्रम कानूनों को बिना किसी छूट के अंत्योदय की भावना के साथ एक साथ लागू किया जाए। लेबर कोड यानि इंडस्ट्रीयल रिलेशन कोड 2020 व ऑक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशन कोड 2020 में व्याप्त श्रमिकों की चिंताओं का समाधान हो। ईपीएस-95 के अंतर्गत न्यूनतम पेंशन को एक हजार रुपये से बढ़ाकर 7500 रुपये प्रतिमाह किया जाए और इसे महंगाई भत्ते से जोड़ा जाए। ईपीएफ के लिए अनिवार्य अंशदान की वेतन सीमा 15 हजार से बढ़ाकर 30 हजार रुपये और ईएसआईसी के तहत कवरेज मासिक वेतन सीमा 21 हजार से बढ़ाकर 42,000 रुपये किया की जाए। स्कीम वर्कर और ठेका श्रमिकों को स्थाई किया जाए। पांच दिवसीय साप्ताहिक कार्य प्रणाली लागू की जाए। आम भर्ती पर लगी रोक को हटाकर नौकरियों में सुरक्षा की गारंटी दी जाए। अनिता बराला ने स्पष्ट किया कि भारतीय मजदूर संघ हमेशा अंत्योदय की भावना के साथ काम करता है और आज पूरे देश में जिला मुख्यालयों पर इस तरह के प्रदर्शन आयोजित कर सरकार का ध्यान आकर्षित किया जा रहा है।

सिरसा। मांगों को लेकर रोष जाहिर करते कर्मचारी।

पुरानी पेंशन बहाली की मांग

सिरसा। अखिल भारतीय मजदूर संघ के आह्वान पर हरियाणा राज्य कर्मचारी संघ ने अपनी मांगों को लेकर बुधवार को लघुसचिवालय में प्रदर्शन किया और जिला पंचायत अधिकारी को मांग पत्र सौंपा। यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष हरीराम जाजड़ा व संगठन सचिव कृष्ण लाल गुर्जर ने बताया कि कर्मचारियों की मांग है कि पुरानी पेंशन बहाल की जाए, कोरोना काल के समय का 18 महीने का बकाया महंगाई भत्ता दिया जाए, समान काम समान वेतन एक समान किया जाए तथा सेवानिवृति की आयु सीमा एक की जाए। उन्होंने कहा कि इन मांगों को लेकर कर्मचारी पिछले लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं। मांगों के संबंध में अनेक बार अधिकारियों से बातचीत हो चुकी है, लेकिन अभी तक इन पर कोई सहमति नहीं बनी है, जिससे कर्मचारी वर्ग में रोष है। इस मौके पर हरियाणा राज्य कर्मचारी संघ के जिला प्रधान जमना प्रकाश, भाल सिंह, सुरेश कुमार, चानण राम, बिरेंद्र कुमार, बलवान सिंह, संजू, बिंटू कंडारा आदि मौजूद रहे।

भूना। टोहाना रोड पर बुधवार को जिला नगर योजनाकार विभाग द्वारा अनधिकृत कॉलोनियों में तोड़-फोड़ करती जेसीबी मशीन।

अवैध कॉलोनियों पर चला बुलडोजर, सड़कें की ध्वस्त

जिला नगर योजनाकार विभाग की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ भूना

शहर के टोहाना रोड पर बुधवार को जिला नगर योजनाकार विभाग ने अवैध निर्माण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। विभाग की टीम ने तीन अनधिकृत कॉलोनियों में तोड़-फोड़ अभियान चलाते हुए पार्क की चारदीवारी, निर्माणाधीन डीपीसी और मिट्टी से बनाई गई सड़कों को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई का नेतृत्व जिला नगर योजनाकार राजकीर्ति ने किया, जबकि ड्यूटी मजिस्ट्रेट अंकित गर्ग की देखरेख में बुलडोजर चलाया गया। विभागीय टीम दोपहर बाद मौके पर पहुंच गई थी। अवैध कॉलोनियों में लोगों को प्लॉट बेचने के उद्देश्य से विकसित किए गए पार्क, चारदीवारी और कच्ची सड़कों को चिन्हित कर कई घंटों तक तोड़ने की कार्रवाई की गई। डीटीपी अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना लाइसेंस व स्वीकृति के विकसित की जा रही कॉलोनियों के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा। उन्होंने आमजन से अपील की कि किसी भी कॉलोनी में प्लॉट खरीदने से पहले उसकी वैधता की जांच अवश्य करें, ताकि भविष्य में नुकसान से बचा जा सके।

1 लोगों को लुभाने के लिए किए गए थे विकास कार्य
:डीटीपी राजकीर्ति ने बताया कि संबंधित कॉलोनियों में बिना अनुमति के प्लॉटिंग कर बुनियादी सुविधाओं का आभास देने के लिए पार्क व सड़कें बनाई गई थीं। उनका कहना है कि ये कॉलोनियां नियमानुसार स्वीकृत नहीं थीं।

2 टीम ने कई घंटों तक चलाया अभियानः तोड़-फोड़ अभियान में डीटीपी विभाग फतेहाबाद के कनिष्ठ अभियंता संदीप कुमार व अंकित कुमार, क्षेत्रीय निरीक्षक पुष्पा देवी, सुरेश कुमार सहित अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया। टीम ने अवैध निर्माण को पूरी तरह ध्वस्त कर भविष्य में दोबारा निर्माण न करने की चेतावनी भी दी।

पीएम आवास योजना के नाम पर ठगी

पुलिस ने एक युवक को किया गिरफ्तार

- पुलिस ने आरोपी के कब्जे से नकदी बरामद की

हरिभूमि न्यूज ⏭ भट्टूकलां

प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर धोखाधड़ी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए भट्टूकलां पुलिस ने एक युवक को काबू किया है। आरोपी की पहचान भूपेंद्र पुत्र हरकेश निवासी सूचना हॉल, प्रेम नगर, सिरसा के रूप में हुई। आरोपी से 13 हजार 500 रुपये की नगदी बरामद की गई है। थाना भट्टू कलां प्रभारी उपनिरीक्षक राधे श्याम ने बताया कि इस बारे पुलिस ने दिनेश बंसल पुत्र गुलाब बंसल निवासी भट्टू मंडी, जिला फतेहाबाद की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता ने कहा था कि आरोपी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान बनवाने की फाइल प्रोसेस कराने के नाम पर उससे तीन फाइलों के लिए कुल 13 हजार 500 रुपये फोन-पे के माध्यम से प्राप्त किए। काफी समय तक टालमटोल करने के बावजूद न तो फाइल प्रोसेस की गई और न ही राशि वापस की गई। आरोपी की पहचान भूपेंद्र के रूप में हुई। इस मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तारकर नकदी बरामद कर ली है।

भट्टूकलां। धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार युवक।

विधायक ने विधानसभा में उठाया नशे का मुद्दा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

कांग्रेस विधायक गोकुल सेतिया ने विधानसभा में सिरसा को ड्रग प्रभावित जिला घोषित करने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि जिला ड्रग का हॉट स्पॉट बना है। विधायक के सवाल पर मंत्री आरती राव ने बताया कि सिरसा में 174 कैमिस्ट शॉप पर रेड की है। 1708 में से 1650 शॉप पर सीसीटीवी लगे हैं। ऐलनाबाद व रानियां में क्रमशः 20 व 10 बेड का नशा मुक्ति केंद्र प्रस्तावित है। डबवाली में सीएम ने नशे के प्रति सचेत करने के लिए कार्यक्रम किया था। जिसमें 64 हजार लोगों ने भाग लिया। नशा मुक्ति जागृत पंचायत पुरस्कार भी घोषित किया गया है। 51, 31 व 21 लाख का पुरस्कार रखा गया है। नशे से निपटने के लिए विपक्ष भी सहयोग दे।

खेलों से बढ़ता है टीम वर्क और नेतृत्व क्षमता : रंजना ग्रोवर

- सीएमके में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

सीएमके नेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 44वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का बुधवार को प्रार्चाया डॉ. रंजना ग्रोवर ने शुभारंभ किया। रंजना ग्रोवर ने कहा कि खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए आवश्यक है। यह प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को टीम वर्क, नेतृत्व और प्रतिस्पर्धा की भावना सिखाती हैं और अपने कौशल और प्रतिभा को दिखाने का अवसर प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिताएं छात्रों को स्वस्थ और सक्रिय रहने के लिए प्रेरित करते हुए एकता और सौहार्द की भावना को बढ़ावा देती हैं। छात्रों को जीवन में आगे बढऩे के लिए आवश्यक गुण सिखाती हैं और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती हैं। प्रतियोगिताएं छात्रों के आत्मविश्वास और आत्मसम्मान को बढ़ावा देती हैं और जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए तैयार करती हैं। प्रतियोगिता के प्रथम दिन 100 मीटर रेस, 200 मीटर रेस,1500 मीटर रेस, शॉट पुट, लांग जंप, हाई जंप, डिस्कस थ्रो, चाटी रेस सहित अन्य प्रतियोगिताएं करवाई गई।

सिरसा। प्रतियोगिता की विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए।

लॉर्ड शिवा कॉलेज में खेलकूद प्रतियोगिता आरंभ

सिरसा। लॉर्ड शिवा ग्रुप ऑफ इंस्टीटयूट में बुधवार को तीन दिवसीय 42वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ संस्था के महानिदेशक देशकमल बिश्नोई ने किया। देशकमल बिश्नोई ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में खेलों का विशेष महत्व है, क्योंकि खेलों में भाग लेने से शारीरिक व मानसिक विकास के साथ भाईचारे को भी बढ़ावा मिलता है। महासचिव सोमप्रकाश एडवोकेट ने विद्यार्थीयों से कहा कि सभी विद्यार्थी खेलों को परस्पर खेल की भावना से ही खेलें। इंजीनियर लोकेश बिश्नोई ने विद्यार्थियों से कहा कि शिक्षा और खेल एक दूसरे के पूरक हैं, इसलिए खेलों में भाग लेने से विद्यार्थियों की शिक्षा की गुणवत्ता में भी सुधार आता है। प्राचार्य प्रो. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को अपने शिक्षा काल के समय संस्थान में होने वाली प्रतिस्पर्धाओं में भाग अवश्य लेना चाहिए जिससे उनके मानसिक व शारीरिक विकास को गति मिल सके। कॉलेज प्रवक्ता विष्णु शर्मा ने बताया कि वालीबॉल के लीग मैच में डीएमएलटी प्रथम सेमेस्टर की टीम ने बीफार्म प्रथम सेमेस्टर की टीम को पराजित किया। लड़कियों के वर्ग में हुए क्रिकेट मुकाबले में जीएनएम की टीम विजेता रही। इस अवसर पर आरती नरूला, गजल धमीजा, हरविंद्र कौर, दीक्षा कटारिया, दीक्षा, जतिनप्रीत कौर, पिंकी, भूपेंद्र, डिंपल, सुनीता, सुरेंद्र, शालू, अमनदीप, रीना कंबोज, हेमा, सुमन इत्यादि सभी शिक्षक व गैर शिक्षक सदस्य भी मौजूद थे।

धरने पर बैठे किसानों का प्रतिनिधिमंडल डीसी से मिला

कहा- जायज मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

ओटू हैड पर अपनी मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे किसानों के प्रतिनिधि मंडल ने बुधवार को उपायुक्त शांतनु शर्मा से मुलाकात की। किसान नेता प्रक ाश ममेरां के नेतृत्व में आए सात सदस्य प्रतिनिधि मंडल ने उपायुक्त से कहा कि वे अपनी जायज मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। उनकी मांगों में साउथ घग्घर कैनाल और ढाणी शेरां फलडी माइनर में सेम का पानी न डालकर घग्घर नदी का पानी डालना, तटबंधों को मजबूत करना व ओटू हेड की खुदाई शामिल है। प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त को बताया है कि हिसार-घग्गर ड्रेन से एक हजार क्यूसेक से अधिक पानी आता है, जो पिछले साल सेम नाले में कई जगह टूट गया था। सेम नाले की नियमित सफाई न होने और तटबंध मजबूत न होने के कारण पानी की निकासी रूक जाती है। इससे पिछले वर्ष पैंतालीसा क्षेत्र में भारी नुकसान हुआ था। कि सानों ने क हा कि बरसात के सीजन से पहले सेम नाले की सफ ाई और तटबंधों को मजबूत कि या जाए। उन्होंने बताया कि साईफ न व्यवस्था से पानी निक लने की स्थिति में घग्गर का पानी बैक हो जाता है, जिससे सेमनाला खतरनाक रूप ले लेता है।

सिरसा। डीसी से मिलने पहुंचा प्रतिनिधिमंडल।

पानी को लिफ्ट पम्पों से सीधे घग्गर में डाला जाए

यह अतिरिक्त पानी आगे एसजीसी और शेरा पैरलर नहरों में छोड़ा जाता है, जिससे इन नहरों पर निर्भर 50 गांवों की फसलें तबाह हो जाती हैं। उस समय नहरों में घग्गर का पानी बंद कर दिया जाता है, लेकि न इससे नहरों से जुड़े 40 गांव और सेम नाले से प्रभावित 60-64 गांव बुरी तरह प्रभावित होते हैं। किसानों का कहना है कि पानी को लिफ्ट पम्पों से सीधे घग्गर में डाला जाए। उन्होंने क हा कि इस मुद्दे पर वे क ई बार ज्ञापन दे चुके हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

इंटरनेट बिना कैसे चलेंगे स्मार्ट क्लासरूमः सैलजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा के सरकारी स्कूलों में डिजिटल शिक्षा की वास्तविक स्थिति पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार स्मार्ट क्लासरूम और ऑनलाइन पढ़ाई के बड़े-बड़े दावे कर रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि हजारों सरकारी स्कूल आज भी इंटरनेट कनेक्शन से वंचित हैं। उन्होंने बताया कि कई स्कूलों में कंप्यूटर लैब और स्मार्ट बोर्ड तो स्थापित कर दिए गए हैं, लेकिन इंटरनेट कनेक्टिविटी के अभाव में वे धूल फांक रहे हैं। ऐसे में डिजिटल शिक्षा के दावे खोखले साबित हो रहे हैं और सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी आधुनिक शिक्षा से पीछे रह जा रहे हैं। सांसद कुमारी सैलजा ने प्रदेश सरकार से मांग की कि सभी सरकारी स्कूलों में तत्काल भरोसेमंद इंटरनेट कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई जाए और डिजिटल ढांचे की वास्तविक समीक्षा कर उसे पूरी तरह कार्यशील बनाया जाए।

डबवाली रेलवे ओवरब्रिज पर पैदल सीढ़ियां बनाने की मांग

सांसद सैलजा ने कहा कि लोकसभा क्षेत्र के डबवाली शहर में राष्ट्रीय राजमार्ग-9 पर बने रेलवे ओवरब्रिज पर पैदल यात्रियों के लिए सीढ़ियां न होना गंभीर समस्या बना हुआ है। छात्राओं, महिलाओं और बुजुर्गों को तेज रफ्तार वाहनों के बीच लंबा रास्ता तय करना पड़ता है या जलभराव और जाम वाले अंडरब्रिज से गुजरना पड़ता है, जो सुरक्षा की दृष्टि से जोखिमपूर्ण है।

मॉक ड्रिलः प्राकृतिक आपदा से निपटने की तैयारियों का किया अभ्यास

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

राजकीय नेशनल कॉलेज में बुधवार को मॉक ड्रिल के माध्यम से जिला प्रशासन व एनडीआरएफ की टीमों द्वारा प्राकृतिक आपदा के दौरान पैदा हुए हालात से कैसे निपटा जाए, संबंधी तैयारियों का अभ्यास किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान आग लगने जैसी स्थिति उत्पन्न होने तथा भूकंप या अन्य कारणों से इमारत के गिरने पर जान-माल के बचाव संबंधी अभ्यास किया गया। मॉक ड्रिल का नेतृत्व नगराधीश ने किया। एनडीआरएफ की ओर से सेकेंड इन कमांड अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि मॉक ड्रिल में एनडीआरएफ की ओर से इंस्पेक्टर त्रिलोक सिंह के नेतृत्व में 30 सदस्यी टीम ने हिस्सा लिया और इमारत गिरने के बाद किस तरह अधिक से अधिक जान-माल का सुरक्षित तरीके से बचाव किया जा सके।

सिरसा। मॉक ड्रिल करते कर्मचारी।

सुरक्षा संबंधी बचाव अभ्यास विद्यार्थियों के लिए उपयोगी

राजकीय नेशनल कॉलेज की कार्यकारी प्राचार्या डा. अनीता मडिया ने कहा कि कॉलेज में इस तरह के नागरिक सुरक्षा संबंधी बचाव अभ्यास निश्चित तौर पर विद्यार्थियों के उपयोगी होते हैं। आज बच्चों ने आग लगने और इमारत गिरने जैसी प्राकृतिक आपदाओं के समय किस तरह सुरक्षात्मक तरीके से बचाव किया जा सकता है, वह इस मॉक ड्रिल के माध्यम से सीखा है। मॉक ड्रिल में विभिन्न विभागों व एजेंसियों, एनडीआरएफ, गृह रक्षी व नागरिक सुरक्षा विभाग, पुलिस विभाग आदि के कर्मचारी मौजूद रहे।

महिला महाविद्यालय में रही सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

हरियाणवी लोकनृत्य, संगीत की स्वर लहरियों ने मोहा मन

- छात्राओं ने अपनी सुमधुर आवाज से किया भाव-विभोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

राजकीय महिला महाविद्यालय सिरसा में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम आगाज के अंतिम दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम की धूम छाई रही। महाविद्यालय परिसर उत्साह, ऊर्जा और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर रहा। कार्यक्रम की शुरुआत भजन एवं शबद की मनमोहक प्रस्तुतियों से हुई, जिनमें आध्यात्मिकता और भक्ति रस की मधुर धारा प्रवाहित हुई। छात्राओं ने अपनी सुमधुर आवाज़ और भावपूर्ण अभिव्यक्ति से उपस्थित जनसमूह को भाव-विभोर कर दिया। पारंपरिक परिधानों में सजी छात्राओं ने लोक संस्कृति की विविधता और समृद्धि को साकार रूप में प्रस्तुत किया।

सिरसा। महिला कॉलेज में आयोजित सांसकृतिक कार्यक्रम का आनंद लेती छात्राएं।

संगीत साधना का दिया परिचय

वाद्य यंत्र वादन की प्रस्तुतियों में छात्राओं ने अपनी संगीत साधना का उत्कृष्ट परिचय दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण हरियाणवी लोक नृत्य रहा, जिसमें हरियाणा की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और जीवंतता का अद्भुत प्रदर्शन देखने को मिला। अंत में निर्णायक मंडल की ओर से घोषित विजेताओं को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि डिप्टी सीएमओ डॉ. अभिजीत गर्ग थे जबकि विशिष्ट अतिथि पार्षद सुमन शर्मा थी।

खबर संक्षेप

दुष्कर्म, ब्लैकमेल करने का आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। युवती से दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने तथा एससी/एसटी एक्ट से जुड़े मामले में कार्रवाई करते हुए थाना जाखल पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तारकर लिया है। आरोपी की पहचान नछत्तर सिंह पुत्र जीत सिंह निवासी कड़ैल, जिला संगरूर, पंजाब के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक मोटरसाइकिल और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। पुलिस को दी शिकायत में पीड़िता ने आरोप लगाया कि आरोपी नछत्तर सिंह पुत्र जीत सिंह निवासी कड़ैल, थाना मूनक, जिला संगरूर ने जान-पहचान का लाभ उठाकर उसके साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। इसके अतिरिक्त आरोपी ने कथित रूप से उसकी अश्लील वीडियो भी बनाया।

श्री दुर्गा मंदिर ओढ़ां में हुआ मासिक भंडारा

ओढां। श्री दुर्गा अष्टमी के अवसर पर पुरानी अनाजमंडी ओढ़ां में स्थित दुर्गा मंदिर में श्री दुर्गा सेवा मंडल ओढ़ां द्वारा ग्रामीणों के सहयोग से मासिक भंडारा लगाया गया। भंडारे का शुभारंभ शाम को सवा 6 बजे श्री दुर्गा मंदिर के पुजारी देव शर्मा ने आद शक्ति दुर्गा माता, अन्नपूर्णा माता, महादेव, रूद्र अवतार हनुमान और श्री भैरों देव को भोग लगाकर कंजक पूजन के साथ किया गया। इस दौरान श्री दुर्गा नारी मंडल ने रानी, किरण, नीतू, पिंकी, सोनिया, सुखविंद्र, मनजीत और हरबंस आदि के साथ मिलकर चूल्हे की रोटी बनाने और बर्तन साफ करने की सेवा की।

मोटरसाइकिल चोरी का आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। मोटरसाइकिल चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना शहर रतिया पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान हैप्पी कुमार पुत्र बनी लाल निवासी रामनगर कॉलोनी, रतिया के रूप में हुई। आरोपी को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। इससे पूर्व इसी प्रकरण में दो आरोपियों को पहले ही काबू किया जा चुका है। थाना शहर रतिया प्रभारी महिला निरीक्षक पुष्पा ने बताया कि इस बारे पुलिस ने गुरप्रीत सिंह पुत्र मलकीत सिंह निवासी भुथन खुर्द (खेड़े वाला), हाल निवासी न्यू टाउन, रतिया की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार 18-19 अप्रैल 2025 की रात उसके घर के अंदर खड़ी बाइक चोरी हो गई।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की परीक्षाएं शुरू

64 परीक्षा केंद्रों पर 12वीं के 10797 व 10वीं के13288 छात्रों ने दिया पेपर

हरिभूमि न्यूज ▸▸। फतेहाबाद

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी की परीक्षाएं शुरू हो चुकी है। परीक्षा के अंतर्गत जिला फतेहाबाद में कुल 64 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिसके तहत 12वीं में 10,797 व 10वीं में 13,288 परीक्षार्थी शामिल हैं। जिले में कोई संवेदनशील परीक्षा केंद्र नहीं है। परीक्षाओं को लेकर उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने बुधवार को संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। गौरतलब है कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा 25 फरवरी से एक अप्रैल 2026 तक सेकेंडरी, सीनियर सेकेंडरी तथा डीएलएड प्रथम एवं द्वितीय वर्ष री-अपीयर की परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। सभी परीक्षाएं दोपहर 12:30 बजे से 3:30 बजे तक निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर होंगी।

डीसी डॉ. विवेक भारती ने कहा कि एक अप्रैल तक 12वीं व 26 फरवरी से 20 मार्च तक हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की दसवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाओं के लिए संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी निर्धारित ड्यूटी का पालन करें। परीक्षा नकल रहित, शांतिपूर्ण हो, इसके लिए सभी दिशा निर्देशों की सख्ती से पालना सुनिश्चित की जाए। एसडीएम, डीईओ, बीईओ सहित अन्य विभागीय अधिकारियों की अगुवाई में परीक्षाओं के लिए उडऩदस्तों का गठन भी किया गया है। विद्यार्थी बोर्ड की हिदायत अनुसार शांति पूरक परीक्षा दें। ड्यूटी पर तैनात संबंधित अधिकारी व सुपरवाईजर सभी हिदायतों का विशेष ध्यान रखें। परीक्षा नकल रहित करवाने के लिए बोर्ड स्तर, एसडीएम स्तर तथा खंड शिक्षा अधिकारी स्तर पर फ्लाईंग स्क्वायड का गठन किया गया है, जिसके तहत परीक्षा केंद्रों पर चेकिंग की जाएगी। परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन व डिजिटल वॉच पर पाबंदी रहेगी। डीसी ने निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों में विद्यार्थियों की एंट्री के दौरान सही से जांच हो।

डीसी ने निर्देश दिए कि सभी परीक्षा केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं पेयजल, बिजली, शौचालय एवं बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके लिए सभी संबंधित अधिकारी परीक्षा केंद्रों का निरन्तर निरीक्षण करें। सभी अधिकारी आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें और किसी भी प्रकार की समस्या आने पर तुरंत समाधान सुनिश्चित करने के लिए कहा गया। डीसी डॉ. विवेक भारती ने स्पष्ट किया कि बोर्ड परीक्षा शांतिप्रिय ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन अलर्ट मोड़ में है। किसी भी रूप से भ्रामक जानकारी फैलाने व फेक न्यूज़ पर प्रशासन की पैनी नजर है।

फतेहाबाद। परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण करते डीसी-एसपी। फोटो : हरिभूमि

डीसी ने किया परीक्षा केंद्रों का दौरा

सीबीएसई और हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी की परीक्षाओं को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने एसपी सिद्धांत जैन के साथ विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, प्रवेश एवं निकास प्रणाली तथा अन्य प्रशासनिक तैयारियों का गहनता से जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। डीसी-एसपी ने स्प्रिंग बेल स्कूल, क्रिसेंट पब्लिक स्कूल, पीएम श्री मॉडल स्कूल, गर्ल्स सीनियर सैकेण्डरी स्कूल फतेहाबाद सहित कई परीक्षा केंद्रों का दौरा किया। परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु लगभग 300 पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई है।

फतेहाबाद। बोर्ड परीक्षाओं को लेकर अधिकारियों को निर्देश देते डीसी डॉ. विवेक भारती।

परीक्षा केंद्रों पर 200 मीटर दायरे में प्रतिबंध

जिलाधीश डॉ. विवेक भारती ने हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी के अंतर्गत होने वाली बोर्ड परीक्षा के मद्देनजर जारी आदेश के तहत कहा कि परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में अनधिकृत व्यक्तियों की मौजूदगी पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इसके साथ ही फोटोकॉपी, फोटोस्टेट मशीन और अन्य कॉपिंग उपकरणों के संचालन पर भी रोक लगाई गई है ताकि नकल जैसी गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया गया है कि परीक्षा अवधि के दौरान कोई भी व्यक्ति आग्नेयास्त्र या अन्य चोट पहुंचाने वाले हथियार लेकर नहीं चल सकेगा। नारेबाजी, धरना-प्रदर्शन और भीड़ एकत्रित करने जैसी गतिविधियां भी प्रतिबंधित रहेंगी। आदेश 25 फरवरी से 1 अप्रैल 2026 तक प्रभावी रहेंगे। सभी थाना प्रभारियों को इन निर्देशों की कड़ाई से पालना सुनिश्चित करने के आदेश दिए गए हैं। यदि कोई व्यक्ति आदेशों की अवहेलना करता है तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एसपी ने लिया परीक्षा केंद्रों का जायजा, कड़ी सुरक्षा के निर्देश

सिरसा। परीक्षा केंद्र के बाहर तैनात पुलिस कर्मचारी।

- कहा : अनियमितता मिलने पर थाना प्रभारी नपेगा

हरिभूमि न्यूज ▸▸। सिरसा

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा 10वीं व 12वीं की वार्षिक परीक्षाओं को नकल रहित संपन्न करवाने को लेकर एसपी दीपक सहारण ने जिला के सभी पर्यवेक्षक अधिकारियों एंव थाना प्रभारियों को वीडियों कांफ्रेसिंग के जरिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी थाना क्षेत्र के स्कूल में नकल से संबंधित कोई अनियमितता पाई गई तो संबंधित थाना प्रभारी नपेगा। एसपी ने स्वयं बडागुढा थाना क्षेत्र के गांव रघुआना व नाथुसरी चौपटा थाना क्षेत्र के गांव नाथूसरी एवं दड़बा कलां के स्कूलों में पंहुचकर परीक्षा के दौरान किए गए सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि सिरसा पुलिस परीक्षा को नकल रहित करवाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। एसपी सहारन ने कहा जिला प्रशासन की और से धारा 163 लागू की गई है,यदि कोई शरारती तत्व परीक्षा केंद्रों के लिए निर्धारित किए गए 200 मीटर की दूरी में पाए जाते है,तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों से कहा कि परीक्षा केंद्रों में अभ्यार्थियों के प्रवेश करते समय बारिकी से चैक करने उपरांत ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने दिया जाएगा।

परीक्षा केंद्र के बाहर भीड़ जमा न होने दें

उन्होंने थाना प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रो के आस-पास के क्षेत्रो में गहनता से जांच करें तथा परीक्षा केंद्रों के बाहर भीड़ एकत्रित न होने दें। परीक्षा केंद्रों के अंदर व बाहर परीक्षा के दौरान यदि कोई व्यक्ति बाधा उत्पन करता है,नकल करवाने की कोशिश करता है अथवा उपद्रव करता है,तो उसके खिलाफ तुरंत सख्त कार्रवाई करें, उपद्रव करने वाले को किसी भी सूरत में बख्सा नहीं जाना चाहिए। एसपी दीपक सहारन ने कहा कि परीक्षा केंद्रों के नजदकी फोटो स्टेट,साइबर कैफे और इंटरनेट कैफे खोलने वालो के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें।

भोड़िया खेड़ा कॉलेज में नशा मुक्ति अभियान पर सेमिनार एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▸▸। फतेहाबाद

राजकीय महिला महाविद्यालय भोड़िया खेड़ा, फतेहाबाद में आज (24 फरवरी, 2026) एंटी-टोबैको/ड्रग एब्यूज़ अवेयरनेस कमेटी के तत्वावधान में नशा मुक्ति अभियान विषय पर एक जागरूकता सेमिनार एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित करना था। इसमें महाविद्यालय की छात्राओं एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सेमिनार में डॉ. विजय, डॉ. राजीव, डॉ. सतीश एवं डॉ. रोहित कुमार ने विषय विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिए। उन्होंने नशे के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और समाज पर गंभीर प्रभाव डालता है। वक्ताओं ने छात्राओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शत्रुजीत सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि युवाओं को राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है, इसलिए उन्हें नशे जैसी बुराइयों से दूर रहना चाहिए। उन्होंने छात्राओं से समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें सभी छात्राओं एवं स्टाफ सदस्यों ने नशा मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया तथा जीवन भर नशे से दूर रहने की शपथ ली।

साइबर क्राइम, फेक प्रोफाइल, डेटा चोरी के प्रति जागरूक रहें

शाह सतनाम जी बॉयज कॉलेज में डिजिटल युग पर दी कानूनी जागरूकता

हरिभूमि न्यूज ▸▸। सिरसा

शाह सतनाम जी बॉयज कॉलेज में बुधवार को फिजिकल एजुकेशन विभाग की ओर से एक दिवसीय कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय डिजिटल युग में अधिकार, कर्तव्य और आईटी अनुपालन था। सेमिनार का उद्देश्य विद्यार्थियों को बदलते तकनीकी परिवेश में उनके कानूनी अधिकारों, जिम्मेदारियों और साइबर कानूनों की जानकारी देना रहा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में हरियाणा एंड पंजाब हाईकोर्ट से अधिवक्ता कुलदीप सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को टॉर्ट्स कानून, डिजिटल डेटा के दुरुपयोग से जुड़े अपराधों तथा सूचना प्रौद्योगिकी के सही और जिम्मेदार उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अधिवक्ता कुलदीप सिंह ने कहा कि आज का समय पूरी तरह डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आधारित है। सोशल मीडिया, ऑनलाइन ट्रांजैक्शन, ई-लर्निंग और डेटा शेयरिंग जैसी गतिविधियों में जरा-सी लापरवाही भी कानूनी परेशानी का कारण बन सकती है। उन्होंने बताया कि टॉर्ट कानून व्यक्ति के अधिकारों की रक्षा करता है और किसी के द्वारा की गई लापरवाही या गलत कार्य के लिए जिम्मेदारी तय करता है। उन्होंने विद्यार्थियों को साइबर क्राइम, फेक प्रोफाइल, डेटा चोरी, ऑनलाइन फ्रॉड और आईटी एक्ट के प्रावधानों के बारे में भी जागरूक किया। कॉलेज के प्रिंसिपल डा. दिलावर सिंह ने कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों को न केवल कानूनी रूप से सशक्त बनाते हैं।

सिरसा। सेमिनार को संबोधित करते वक्ता।

मेहराणा के प्रशांत शर्मा की जेआरएफ में देश में 81वीं रैंक

हरिभूमि न्यूज ▸▸। फतेहाबाद

प्रतिभा किसी परिचय की मोहताज नहीं होती और जब इसे सही मार्गदर्शन और कड़े परिश्रम का साथ मिले, तो इतिहास रचा जाता है। फतेहाबाद के निकटवर्ती गांव मेहराणा के होनहार लाल प्रशांत शर्मा ने देश की प्रतिष्ठित सीएसआईआर-नेट यानि काउंसिल ऑफ साइंटिऊकि एंड इंडस्ट्रीयल रिसर्च परीक्षा में अभूतपूर्व सफलता हासिल कर अपने क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय पटल पर अंकित किया है।

प्रशांत शर्मा ने लाइफ साइंस विषय में सामान्य वर्ग के तहत परीक्षा देते हुए 99.61 परसेंटाइल अंक प्राप्त किए हैं। उन्होंने अखिल भारतीय स्तर पर 81वीं रैंक (एआईआर 81) हासिल कर न केवल जेआरएफ (जूनियर रिसर्च फैलोशिप) प्राप्त की, बल्कि यह भी सिद्ध कर दिया कि ग्रामीण परिवेश के विद्यार्थी भी उच्च स्तरीय राष्ट्रीय परीक्षाओं में शीर्ष स्थान प्राप्त कर सकते हैं। प्रशांत की इस सफलता की जड़ें उनके परिवार की मजबूत शैक्षिक पृष्ठभूमि में निहित हैं। उनके पिता अशोक कुमार शर्मा, जो वर्तमान में फतेहाबाद में हेड टीचर के पद पर कार्यरत हैं वहीं माता पंकज शर्मा, प्रधानाध्यापक के रूप में शिक्षा जगत को अपनी सेवाएं दे रही हैं। उनके दादा स्वर्गीय मांगेराम शर्मा भी एक समर्पित शिक्षक थे। प्रशांत की यह जीत उनके दादाजी के सपनों और माता-पिता के अनुशासनपूर्ण मार्गदर्शन का परिणाम है। यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि जिस घर में शिक्षा की लौ जलती है, वहां अगली पीढ़ी सफलता के नए आयाम स्थापित करती है। प्रशांत की इस ऐतिहासिक उपलब्धि की खबर मिलते ही मेहराणा गांव के अलावा फतेहाबाद के शिक्षकों और आसपास के क्षेत्रों में जश्न का माहौल है। विद्यालय परिवार, गणमान्य नागरिकों और ग्रामीणों ने प्रशांत के घर पहुंचकर बधाई दी। शिक्षाविदों का कहना है कि प्रशांत की यह सफलता क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणास्त्रोत बनेगी।

प्रशांत शर्मा

पीएचडी कर रिसर्च करने की इच्छा

प्रशांत के पिता अशोक शर्मा का कहना है कि कठिन परिश्रम, अटूट लगन और सही दिशा में किया गया प्रयास किसी भी असंभव लक्ष्य को संभव बना सकता है। प्रशांत ने अपनी मेहनत से इसे सच कर दिखाया है। जेआरएफ क्वालीफाई करने के बाद अब प्रशांत देश के प्रतिष्ठित संस्थानों से पीएचडी कर रिसर्च के क्षेत्र में अपना योगदान देंगे। उनकी इस उपलब्धि पर पूरे फतेहाबाद जिले व महराणा गांव को गर्व है।

श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान, भक्ति और वैराग्य का संचार करती है: शांति

भूना। ढाणी गोपाल गांव में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन कथा वाचक शांति पुरी जी महाराज ने श्रद्धालुओं को प्रवचन सुनाते हुए कहा कि श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान, वैराग्य और भक्ति का संचार करती है। उन्होंने कहा कि कथा का श्रवण जीवन के बड़े-बड़े कष्टों को दूर करने वाला और मोक्ष का मार्ग दिखाने वाला है।कार्यक्रम में डेरा प्रमुख हरनाम गिरी तथा शुक्रानी गिरी जी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं ने कथा वाचक का फूलमालाओं से स्वागत कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कथा स्थल पर भक्ति रस में डूबे श्रद्धालु मंत्रमुग्ध होकर प्रवचन सुनते नजर आए। शांति पुरी महाराज ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा को सुनना अत्यंत पुण्यदायी और कष्टनिवारक माना गया है। यह कथा न केवल जन्म-जन्मांतर के पापों का नाश करती है, बल्कि मानसिक अशांति, भय और सांसारिक दुखों से मुक्ति दिलाती है। उन्होंने कहा कि भागवत भगवान का दिव्य स्वरूप है, जिसके श्रवण से व्यक्ति के भीतर आध्यात्मिक जागृति होती है और मन में भक्ति का भाव उत्पन्न होता है।

भूना। कथावाचक शांति पुरी जी महाराज श्रद्धालुओं को प्रवचन सुनाते हुए।

मनरेगा को बहाल करने की मांग, विकलांग अधिकार मंच ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

- योजना में बदलाव से दिव्यांगों को नुकसान होगा

हरिभूमि न्यूज ▸▸। रतिया

मनरेगा को बहाल करवाने की मांग को लेकर विकलांग अधिकार मंच ने मुख्यमंत्री के नाम उपमडलाधीश रतिया को ज्ञापन सौंपा। मंच के के जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि केंद्र सरकार मनरेगा की जगह वीबी ग्राम जी कानून लेकर आई है जोकि गरीब जनता व विकलांगों के लिए हितकारी नहीं है, इसे रद्द करके मनरेगा को बहाल किया जाए। मनरेगा को रद्द करने से सीधे तौर पर ग्रामीण विकलांग मजदूरों की रोजी-रोटी का और नुकसान होगा, जिससे वे और अधिक गरीबी में चले जाएंगे और विकलांगता पेंशन पर निर्भर हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार का दावा है कि वीबी ग्राम जी में 125 दिन काम देगा, वह पूरी तरह से गुमराह करने वाला है। मौजूदा डिमांड पर आधारित मनरेगा के तहत भी जानबूझकर पैसे की कमी की वजह से औसत रोजगार 50 दिनों से कम रहा है। मनरेगा, अपनी सीमाओं के बावजूद, विकलांग लोगों को कानूनी तौर पर मजदूर मानता है, जिन्हें रोजगार, काबिलियत के हिसाब से काम और रोजी-रोटी की सुरक्षा का हक है। वीबी ग्राम जी इस अधिकार को कमजोर करता है।

रतिया। ज्ञापन सौंपते विकलांग अधिकार मंच के सदस्य।

फतेहाबाद में योगीराज अरुणचन्द्र महाराज का भव्य आगमन

फतेहाबाद। अध्यात्म और ज्ञान की गंगा बहाने के लिए आगम के प्रकाण्ड ज्ञाता और गुरुदेव योगीराज अरुणचन्द्र महाराज आज अपने पावन शिष्य मंडल के साथ फतेहाबाद पहुंचे। उनके आगमन पर स्थानीय श्रद्धालुओं और जैन समाज में भारी उत्साह देखा गया। एसएस जैन सभा श्याम नगर के प्रधान सुरेन्द्र मित्तल ने बताया कि गुरुदेव के फतेहाबाद की रतिया चुंगी पर पहुंचने पर सभा के पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं द्वारा उनका फूल-मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया गया। गुरुदेव के दर्शनों के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़े, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। प्रधान मित्तल ने बताया कि गुरुदेव पंजाब परंपरा के एक प्रभावशाली मनीषी हैं। फतेहाबाद की धरा पर उनका आगमन 6 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद हुआ है। उन्होंने इस पल की तुलना अयोध्या में प्रभु श्रीराम के आगमन से करते हुए इसे नगर के लिए अपार सौभाग्य और हर्ष का विषय बताया। उन्होंने बताया कि गुरूदेव एक मार्च तक प्रतिदिन सुबह 8:30 बजे से 9:30 बजे तक एसएस जैन सभा, श्याम नगर, फतेहाबाद में प्रवचन करेंगे। जैन सभा ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर गुरुदेव के अमृत वचनों का लाभ उठाएं और अपने जीवन को धन्य करें। गुरु महाराज के आगमन से सम्पूर्ण नगर में आनंद और धर्म लाभ का वातावरण बना हुआ है।

भारतीय ज्ञान परंपरा भविष्य निर्माण का सशक्त आधार: वीसी

सिरसा। भारतीय ज्ञान परंपरा भविष्य निर्माण का सशक्त आधार है। भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा के केंद्र में लाना समय की मांग है। यह बात चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के कुलपति प्रो. विजय कुमार ने सीडीएलयू के शोभा देवी रामानंद बंसल सेंटर फॉर इंडियन नॉलेज सिस्टम द्वारा विभिन्न विषयों में भारतीय ज्ञान परंपरा का एकीकरण, जागरूकता, क्षमता निर्माण एवं प्रसार विषय पर टैगोर लेक्चर थिएटर में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए कही। प्रो. विजय कुमार ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल अतीत की विरासत नहीं, बल्कि वर्तमान की दिशा और भविष्य की नींव है।

बैठक बिजली पोल लगाने से पहले संबंधित विभाग से तालमेल करने के दिए निर्देश

विभाग अपनी सड़कों का करे रोड सेफ्टी ऑडिट : एडीसी

- स्कूलों के पास हादसे रोकने के लिए सेफ्टी जोन बनाने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▸▸। सिरसा

अतिरिक्त उपायुक्त वीरेंद्र सहरावत ने कहा कि रोड सेफ्टी ऑडिट उस प्रत्येक विभाग को करना होगा जो सडक़ के रख रखाव व निर्माण का कार्य देख रहा है। एडीसी बुधवार को सडक़ सुरक्षा समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि सभी विभाग यह तय करें कि उनके अधिकार क्षेत्र के मार्ग पर किसी प्रकार के अवरोध न हो, जो सडक़ दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। विभाग की इंजीनियरिंग टीम अपने क्षेत्र का निरीक्षण कर, जो भी कमियां पाई जाती है, तो उन्हें दुरुस्त करवाएं। यदि कार्य दूसरे विभाग से संबंधित है तो दूसरे विभाग से भी तालमेल कर इसे ठीक करवाया जाए। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि स्कूलों के पास सडक़ दुर्घटनाओं को रोकने के लिए स्कूल सेफ्टी जोन बनाए जाए। यह अनिवार्य है और संबंधित एजेंसी को इस दिशा में जल्द कार्य पूरा करना होगा।

एडीसी ने कहा कि बिजली निगम जब भी पोल सडक़ के साथ लगाए तो, सडक़ के स्वामित्व वाले विभाग से तालमेल करें और आपसी समन्वय के साथ जगह तय करें न कि अपने प्लान के हिसाब से पोल खड़े करें। उन्होंने कहा कि बाद में यही पोल परेशानी का कारण बनते हैं और उन्हें हटाने पर आर्थिक हानि के साथ ही समय की भी बर्बादी होती है। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि बिजली निगम अगली बैठक में एक्शन प्लान सांझा करें।

सिरसा। सड़ सुरक्षा समिति की बैठक लेते एडीसी। फोटो : हरिभूमि

चार सदस्यीय कमेटी गठित

बैठक में नागरिक अस्पताल सिरसा के बाहर अव्यस्थित वाहन खड़े होने, रोड की चौड़ाई कम होने व पानी के नाले को अंडरग्राउंड करने सहित इस मार्ग पर आने वाली यातायात रुकावटों को लेकर अतिरिक्त उपायुक्त ने चार सदस्यीय कमेटी गठित की है जिसमें स्वास्थ्य विभाग के डिप्टी सीएमओ नगर परिषद, पीडब्ल्यूडी के कार्यकारी अभियंता व रोड सेफ्टी प्रतिनिधि को शामिल किया गया है। बैठक में आरटीए संजय कुमार, जिला परिषद के सीईओ डा. सुभाष चंद्र, डीएफओ सतीश कुमार, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी बलजीत सिंह, जीएम रोडवेज अनीत, डिप्टी सीएमओ, नेशनल हाईवे अथॉरिटी के परियोजना निदेशक विपिन मंगला सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।